

संस्कृत-विभाग
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय,
शिमला - 171005

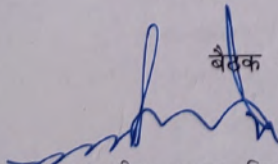
दिनांक 27 जून, 2019

आज दिनांक 27 जून, 2019 को 10.30 बजे स्नातक स्तरीय शास्त्री, पारम्परिक संस्कृत (Traditional Sanskrit) अध्ययन समिति (O.T.B.O.S.) की बैठक हुई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे।

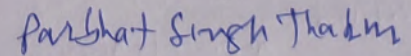
- 1 आचार्य कौशल्या चौहान अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग
तथा
अध्यक्ष, पारम्परिक संस्कृत, अध्ययनसमिति
- 2 आचार्य प्रभात सिंह बाह्य विशेषज्ञ, विश्वेश्वरानन्द विश्वबन्धु संस्कृत एवं
ठाकुर भारतभारती अनुशीलन संस्थान, होशियारपुर।
- 3 डॉ० प्रवीण कुमार सदस्य, प्राचार्य, राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, फागली, शिमला।
विमल

मद संख्या - शास्त्री कक्षाओं के लिये Environmental Studies पाठ्यक्रम की
अनिवार्यता

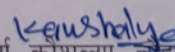
1. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि शास्त्री (Proficiency in Sanskrit) तथा विशिष्ट शास्त्री (B.A Honours, Classics) कक्षाओं में सभी विद्यार्थियों के लिये Environmental Studies पाठ्यक्रम का अध्ययन B.A. (कला स्नातक) में निर्धारित पाठ्यक्रम के समान अनिवार्य होगा।
2. इस पाठ्यक्रम का अध्ययन विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार शास्त्री प्रथम वर्ष अथवा शास्त्री द्वितीय-वर्ष में कर सकता है।
3. इस पाठ्यक्रम (Environmental Studies) की प्रतिष्ठायें (Credits) BA कक्षाओं में निर्धारित (Environmental Studies) पाठ्यक्रम के लिये निर्धारित की हुई प्रतिष्ठायें (Credits) के समान होंगी।


डॉ० प्रवीण कुमार विमल
(सदस्य)

बैठक अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुई



आचार्य प्रभात सिंह ठाकुर
बाह्य विशेषज्ञ,


आचार्य कौशल्या चौहान
अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग
तथा
अध्यक्ष, पारम्परिक संस्कृत, अध्ययनसमिति